दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

सूचना

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि कल दिनाङ्क 15 जुलाई 2016 को महाविद्यालय के पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी सभागार में नवसत्र प्रारम्भ का हवन-यज्ञ आर्य युवती-परिषद द्वारा आयोजित किया जाएगा। सभी नवागन्तुक छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

दिनाङ्क : 14.07.2016

संयोजिका, आर्य युवती परिषद

Scanned with CamScanner

- 15-07-2016

(नवसत्र प्रारम्भ हवन-यज्ञ)

उपस्थित छात्राएँ

S.No.	Name	Class	Roll No
1.	Monika	B.A-I	3114
2.	Reeta	"	3125
3.	Nisha	"	3101
4.	Suneina	"	3113
5.	Sumitra Devi	"	3109
6.	Payal	"	3108
7.	Kiran	"	3120
8.	Ritu Rani	"	3121
9.	Komal Rani	"	3102
10.	Aastha	"	3103
11.	Kajal	"	3104
12.	Rimpi Devi	"	3121
13.	Monika	"	3183
14.	Suman	"	3117
15.	Kamaljeet kaur	"	3123
16.	Sibha Yadav	"	3124
17.	Vanita	"	3127
18.	Reena	"	3125
19.	Nancy	"	3131
20.	Reeta Tamak	"	3132
21.	Muskan	"	3135
22.	Mandeep kaur	"	3136

Scanned with CamScanner

23.	Manju Bala	B.A. I	3130
24.	Kavita Rani	"	3105
25.	Priyanka	"	3115
26.	Priyanka	"	3118
27.	Chitranshi Sachdeva	"	3134
28.	Gayatri Devi	"	3111
29.	Kavita Rani	"	3108
30.	Komal	"	3106
31.	Priyanka	"	3107
32.	Neha Rani	"	3128
33.	Diksha Rani	"	3139
34.	Sonia	"	3184
35.	Monika	"	3183
36.	Babli	"	3140
37.	Nisha Devi	"	3141
38.	Sweta	"	3142
39.	Sheetal Saini	"	3143
40.	Parveen Rani	"	3182
41.	Savita Devi	"	3181
42.	Neelam	"	3179
43.	Preeti Sharma	"	3145
44.	Rakhi	"	3146
45.	Amarjeet	"	3147
46.	Sapna Devi	"	3148
47.	Shiva Kumari	"	3149
48.	Pallavi	"	3150
49.	Hemlata	"	3151
50.	Lovepreet Kaur	"	3152
51.	Navita Devi	"	3154

Scanned with CamScanner

52.	Swati	B.A I	3155
53.			
54.	Reeta Devi	"	3156
	Heena	"	3158
55.	Neha Rani	"	3159
56.	Suraiya Khatun	"	3160
57.	Swati	"	3161
58.	Monia Devi	"	3162
59.	Deepa Rani	"	3163
60.	Savita Rani	"	3164
61.	Nancy Devi	"	3165
62.	Kajal	"	3166
63.	Rudika	"	3167
64.	Niharika	"	3168
65.	Pooja Rani	"	3169
66.	Mafi devi	"	3170
67.	Kajal	"	3172
68.	Shilpa	"	3173
69.	Shitu	"	3175
70.	Simranjeet	"	3176
71.	Anchal	"	3185
72.	Kusum	"	3186
73.	Manisha	"	3187
74	Sonam	"	3188
75.	Mamta	"	3189
76.	Neha Rani	"	3190
77.	Rupa Rani	"	3193
78.	Aarti	"	3195
79.	Deekshu	"	3197

Scanned with CamScanner

80.	Sonia	B.A. I	3198
81.	Sonam	"	3199
82.	Neha Kumari	"	3200
83.	Sudakshina	"	3201
84.	Manju	"	3202
85.	Krishana	"	3221
86.	Sheena	"	3222
87.	Pooham Rani	"	3223
88.	Rubi Devi	"	3224
89.	Sarita Devi	"	3225
90.	Saloni	"	3226
91.	Harvinder	"	3227
92.	Sonia	"	3228
93.	Sobha devi	"	3232
94.	Sakshi	"	3205
95.	Nikita devi	"	3206
96.	Asha devi	"	3208
97.	Neha	"	3214
98.	Shiwani devi	"	3215
99.	Priyanka	"	3217
100.	Deepika	"	3219
101.	Shivangi	"	3220
102.	Manisha	"	3203
103.	Preeti Kaur	"	3274
104.	Ankur Devi	"	3235

Scanned with CamScanner

105.	Kiran	B.A-I	3288
106.	Muskan	"	3272
107.	Jyoti	"	3240
108.	Ritu Sharma	"	3241
109.	Neeraj	"	3242
110.	Shabneet Kaur	"	3245
111.	Varsha Rani	"	3250
112.	Mahak Saini	"	3254
113.	Mamta	"	3255
114.	Manisha	"	3256
115.	Gulfasha	"	3257
116.	Ritu Rani	"	3258
117.	Ruby	"	3259
118.	Baby	"	3260
119.	Richa Devi	"	3262
120.	Rajani Devi	"	3263
121.	Sangeeta Devi	"	3264
122.	Teena Rani	"	3265
123.	Reena Devi	"	3266
124.	Monika	"	3267
125.	Reeta Devi	"	3268
126.	Priyanka	"	3269
127.	Monika	"	3277

Scanned with CamScanner

128.	Megha	B.Com. I. Voc.	3601
129.	Monika	"	3602
130.	Priya	"	3605
131.	Manisha	"	3606
132.	Sunekta Rani	"	3608
133.	Aditi Sharma	"	3612
134.	Shiksha	"	3616
135.	Paranjali	"	3620
136.	Sakshi Rani	"	3622
137.	Anja Rani	"	3625
138.	Ringhim	"	3626
139.	Anjal Rani	"	3630
140.	Nisha	"	3634
141.	Pooja	"	3638
142.	Shruti Garg	"	3639
143.	Anamika	"	3640
144.	Madhubala	"	3645
145.	Madhu	"	3649
146.	Diksha Sharma	"	3650
147.	Paranjeet Kaur	"	3652
148.	Simran	"	3653
149.	Rubika	"	3654

Scanned with CamScanner

150.	Sonia	B.Com I. Vocational ~~3656~~	3656
151.	Menka	B.Com I. Vocational	3659
152.	Himani	"	3661
153.	Damini	"	3662
154.	Jyoti	"	3663
155.	Sheeham	"	3604
156.	Tamanna	"	3607
157.	Falak Arora	"	3609
158.	Simranjeet	"	3610
159.	Himani	"	3611
160.	Tamanna Jain	"	3613
161	Tamanna	"	3614
162.	Prerna	"	3615
163.	Ambika Rawat	"	3628
164.	Shivani	"	3632
165.	Rajani	"	3651
166.	Preety	"	3664
167	Alka	B.Com I. General	3501
168.	Gayatri	"	3502
169.	Shagun Arora	"	3504
170.	Rubi Devi	"	3506

Scanned with CamScanner

171.	Riya Malik	B.Com. I. General	3507
172.	Sweta Saini	"	3508
173	Mansi Sharma	"	3510
174.	Anchal	"	3511
175.	Nishi	"	3512
176.	Twinkle	"	3513
177.	Rohini	"	3514
178	Naditma	"	3520
179.	Dikshu	"	3522
180.	Shailza	"	3523
181.	Meenakshi	"	3526
182.	Anjali Devi	"	3527
183.	Prashi	"	3529
184.	Lalita Rani	"	3532
185.	Payal Rani	"	3535
186.	Pooja	"	3536
187.	Anju	"	3537
188.	Ambika	"	3538
189.	Ankita	"	3539
190.	Anamya	"	3540
191.	Anju	"	3541
192.	Mansi	"	3543

Scanned with CamScanner

193.	Neelam	B.Com.I. General	3545
194.	Anmoldeep	"	3547
195.	Bhumika	"	3550
196.	Sheetal	"	3551
197.	Shivani Saini	"	3552
198.	Shilpa	"	3554
199.	Sandeep Kaur	"	3555
200.	Rounak	"	3557
201.	Lavisha Sharma	"	3558
202.	Saloni	"	3559
203.	Renu	"	3563
204.	Savita	"	3565
205.	Pooja	"	3568
206.	Komal Raj	"	3571
207.	Monika	"	3572
208.	Anamika	"	3574
209.	Nadini	"	3578
210.	Rajani devi	"	3579
211.	Annu	"	3582
212.	Sweta Saini	"	3583
213.	Gurjeet Kaur	"	3585
214.	Mamta	"	3586

Scanned with CamScanner

215.	Vidhi	B.Com.I.G.	3590
216.	Suruchi	"	3593
217.	Manpreet Kaur	B.Com.I. SFS	3701
218.	Nisha	"	3707
219.	Vandana	"	3710
220	Garima	"	3740
221.	Geeta	"	3747
222.	Namarta	"	3748
223.	Isha	"	3750
224.	Divya Rani	"	3767
225.	Silky Rani	"	3772
226.	Pooja	"	3784
227	Sarita	"	3788
228.	Meena	B.Com.I. VOC	4024
229.	Suman	"	4028
230.	Shilpa	"	4031
231.	Sakshi	B.Sc.I.N.M.	2101
232.	Nadita	"	2102
233.	Deepali	"	2105
234	Pallavi	"	2112
235	Eva Saini	"	2116
236	Neha	"	2117
237.	Divya	"	2125
238.	Suman	"	2129

Scanned with CamScanner

239.	Bhoomika	BSc-I NM	2135
240.	Madhu	"	2136
241.	Alisha	"	2139
242.	Anjali	"	2141
243.	Sonia	"	2142
244.	Ritu	"	2144
245	Rachna	"	2145
246.	Samridhi	"	2147
247.	Jinam	"	2150
248.	Kajal	"	2152
249	Priya	"	2154
250	Jyoti	"	2155
251	Asha Saini	"	2156
252.	Sangeeta	"	2161
253.	Geetanjali	"	2163
254.	Dipti	"	2166
255.	Yashika	"	2167
256.	Sonam	"	2168
257.	Pooja	"	2172
258.	Apoorva	"	2174
259.	Shivangi	"	2175
260	Anjali	"	2176
261.	Savita	"	2179.

Scanned with CamScanner

262.	Navya	BSc I. N.M	2183
263.	Anmol	"	2185
264.	Seema	"	2187
265	Nitu Rani	"	2189
266.	Shaha	"	2190
267.	Monika	"	2192
268	Jyoti	"	2193
269.	Divya	"	2194
270.	Sonika	"	2195
271	Neha	"	2197
272.	Anchal	"	2199
273.	Nancy	"	2200
274.	Neha Devi	"	2201
275	Neetu	"	2202
276	Rubika Arora	"	2203
277.	Kanika	"	2204
278.	Vaishali	B.Sc.I, Computer Science	2301
279.	Neha	"	2302
280	Anisha	"	2303
281	Kanika	"	2305
282.	Kajal	"	2306
283.	Aarzoo	"	2307
284.	Ravina	"	2308
285.	Esha Rani	"	2309

Scanned with CamScanner

286.	Himanshi	BSc. I. N.M.	2311
287.	Sumit Rani	"	2312
288.	Shweta	"	2318
289.	Kajal Devi	"	2319
290.	Kanika	"	2322
291.	Preeti	"	2323
292.	Shivani	"	2324
293.	Isha	"	2327
294.	Nikita	"	2328
295.	Neha	"	2330
296.	Renu	"	2331
297.	Nancy	"	2333
298.	Prerna	"	2335
299.	Kajal	"	2336
300.	Ankita	"	2338
301.	Yashika	"	2339
302.	Sheetal	"	2340
303.	Nisha Kumari	"	2341
304.	Sobha	"	2342.
305.	Kalpna	"	2343
306	Bharti	"	2344
307.	[illegible]	"	2345

Scanned with CamScanner

308.	Kajal	B.Sc I. Non.	2348
309.	Pooja	"	2351
310.	Pooja	"	2362
311.	Neena	"	2364
312.	Hema Rani	"	2366
313.	Heena	"	2367
314.	mausi	"	2368
315	Divya Rani	"	2371
316.	Anju	"	2373
317.	Kajal	"	2375
318.	Sarvjeet	"	2347
319.	Sangeeta	"	2350
320.	Anjali	"	2360
321.	Bhavana	B.Com I. Voc.	3644
322.	Rajani	"	3651
323.	Palak	"	3687
324.	Shiksha	"	3627
325.	Ritu	"	3623
326	Arti	"	3624
327.	Bindu	B.A I st.	3192

Scanned with CamScanner

आज दिनांक 15.07.2016 को दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र के नव सत्र का शुभारम्भ हवन-यज्ञ से किया गया। सभी छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने ईश्वर स्तुति प्रार्थना मन्त्र से प्रारम्भ कर यज्ञ को सम्पन्न किया। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य सभा सांसद माननीय डॉ॰ रामप्रकाश जी ने छात्राओं को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में माननीय अध्यक्ष जी ने स्वामी दयानन्द सरस्वती की प्रसिद्ध पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' का उदाहरण देते हुए यज्ञ शब्द के तीन प्रमुख अर्थों को स्पष्ट किया — देव पूजा, संगतिकरण तथा दान। इन तीनों अर्थों को शिक्षा के क्षेत्र में जोड़कर भी बताया गया। यज्ञ जो कि वैदिक एवं भारतीय परम्परा का श्रेष्ठ माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने प्रत्येक शुभ कार्य को प्रारम्भ करते हैं। ईश्वर के सत् चित और आनन्द स्वरूप का त्रैतवाद के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत किया। माननीय प्रधान जी ने कहा कि बच्चों को टीम भावना से कार्य करना चाहिए — एक सबके लिए और सब एक के लिए। ईर्ष्या द्वेष जैसे नकारात्मक भावों को छोड़कर सौहार्द और सद्गुणों को अपनाना चाहिए। नवागन्तुक छात्राओं को नए सत्र की शुभकामनाएं और पिछले सत्र की ... सूची से भी अवगत करवाया गया। अन्धविश्वास तथा मूर्तिपूजा जैसी बुराइयों से बचकर निराकार तथा सर्वशक्तिमान ईश्वर को स्वीकार करना चाहिए। स्वामी दयानन्द द्वारा बताए गए आर्य समाज के नियमों को बताते हुए कहा कि — प्रत्येक को अपनी ही उन्नति में सन्तुष्ट नहीं रहना चाहिए अपितु सबकी उन्नति में ही अपनी उन्नति समझनी चाहिए। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती ... दूल ने छात्राओं, प्राध्यापिकाओं तथा अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं।

(हस्ताक्षर) 7.16

Scanned with CamScanner

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस–नोट

आज दिनांक 15 जुलाई 2016 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र के नव सैत्र का शुभारम्भ हवन–यज्ञ से किया गया। सभी छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने ईश्वर स्तुति प्रार्थना मन्त्रों से प्रारम्भ कर यज्ञ को सम्पन्न किया। तत्पश्चात् महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद माननीय डॉ. रामप्रकाश जी ने छात्राओं को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में माननीय अध्यक्ष जी ने स्वामी दयानन्द सरस्वती की प्रसिद्ध पुस्तक सत्यार्थप्रकाश का उदाहरण देते हुए यज्ञ शब्द के तीन प्रमुख अर्थों को स्पष्ट किया– देव पूजा, संगतिकरण तथा दान। इन तीनों अर्थों को शिक्षा के क्षेत्र में जोड़कर भी बताया गया। यज्ञ जो कि वैदिक एवं भारतीय परम्परा का श्रेष्ठ माध्यम है, जिसके द्वारा मान्य मानव अपने प्रत्येक शुभ कार्य को प्रारम्भ किया करता है। ईश्वर के सत्, चित्त और आनन्द स्वरूप का त्रैतवाद के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत किया। माननीय प्रधान जी ने कहा कि बच्चों को टीम भावना से काम करना चाहिए– एक सबके लिए और सब एक के लिए। ईर्ष्या तथा द्वेष जैसे नकारात्मक भावों को छोड़कर सौहार्द और सद्गुणों को अपनाना चाहिए। नवागन्तुक छात्राओं को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए पिछले सत्र की मैरिट सूची से भी अवगत करवाया गया। अन्धविश्वास तथा मूर्तिपूजा जैसी बुराइयों से बचकर निराकार तथा सर्वशक्तिमान ईश्वर को स्वीकार करना चाहिए। स्वामी दयानन्द द्वारा बताए गए आर्यसमाज के नियम को बताते हुए कहा कि – प्रत्येक को अपनी ही उन्नति में संतुष्ट नहीं रहना चाहिए अपितु सबकी उन्नति में ही अपनी उन्नति समझनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मंजु ढुल ने छात्राओं, प्राध्यापिकाओं तथा अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा छात्राओं को शुभकामनाएँ दी।

15.7.16

Scanned with CamScanner

नवसत्र हवन-यज्ञ (15.07.2016).

उपस्थित छात्राएँ एवं प्राध्यापिकाएँ

Scanned with CamScanner

जागरण सिटी

16 जुलाई 2016

आरंभ : डीएन कॉलेज का नया सत्र हुआ शुरू, पूर्व राज्यसभा सांसद ने कार्यक्रम को किया संबोधित

'यज्ञ वैदिक एवं भारतीय परंपरा का श्रेष्ठ माध्यम'

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : दयानंद महिला महाविद्यालय के प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. रामप्रकाश ने कहा कि यज्ञ वैदिक एवं भारतीय परंपरा का श्रेष्ठ माध्यम है, जिसके द्वारा मानव अपने प्रत्येक शुभ कार्य को प्रारंभ किया करता है। ईश्वर के सत्चित्त और आनंद स्वरूप क माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत किया।

संबोधित करते हुए डॉ. रामप्रकाश।

वे कॉलेज के नव सत्र के शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। हवन यज्ञ के साथ नए सत्र की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को टीम भावना से काम करना चाहिए। ईर्ष्या तथा द्वेष जैसे नकारात्मक भावों को छोड़कर सौहार्द और सद्गुणों को अपनाना चाहिए। अंधविश्वास तथा मूर्तिपूजा जैसी बुराइयों से बचकर निराकार तथा सर्वशक्तिमान ईश्वर को स्वीकार करना चाहिए। स्वामी दयानन्द द्वारा बताए गए आर्यसमाज के नियम को बताते हुए कहा कि प्रत्येक को अपनी ही उन्नति में संतुष्ट नहीं रहना चाहिए अपितु सबकी उन्नति में ही अपनी उन्नति समझनी चाहिए। महाविद्यालय की प्राचार्या मंजू दुल ने प्रबंधक कमेटी प्रधान का स्वागत किया।

डीएन कॉलेज में नए सत्र के शुभारंभ समारोह में उपस्थित छात्राएं। जागरण

Scanned with CamScanner

अमर उजाला
शनिवार | 16 जुलाई 2016

डीएन महिला कॉलेज में हवन के साथ नवसत्र का शुभारंभ

डीएन कॉलेज में हवन कार्यक्रम में भाग लेतीं प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं।

अमर उजाला ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला कॉलेज के नवसत्र का शुभारंभ शुक्रवार को हवन के साथ हुआ। सभी छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने ईश्वर स्तुति प्रार्थना मंत्रों से प्रारंभ कर यज्ञ को संपन्न किया। कॉलेज की प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. रामप्रकाश ने स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रसिद्ध पुस्तक सत्यार्थप्रकाश का उदाहरण देते हुए यज्ञ शब्द के तीन प्रमुख अर्थों को स्पष्ट किया।

देव पूजा, संगतीकरण तथा दान। इन तीनों अर्थों को शिक्षा के क्षेत्र में जोड़कर भी बताया गया। यज्ञ जोकि वैदिक एवं भारतीय परंपरा का श्रेष्ठ माध्यम है, इसके द्वारा मानव अपने प्रत्येक शुभ कार्य को प्रारंभ करता है।

ईश्वर के सत, चित्त और आनंद स्वरूप का त्रैतवाद के माध्यम से उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को टीम भावना से काम करना चाहिए। एक सबके लिए और सब एक के लिए ईर्ष्या तथा द्वेष जैसे नकारात्मक भावों को छोड़कर सौहार्द और सद्गुणों को अपनाना चाहिए। नवागंतुक छात्राओं को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए पिछले सत्र की मेरिट सूची से भी अवगत कराया गया।

Scanned with CamScanner